संगीत शिक्षा विशारद

1) विद्यार्थी-शिक्षक की योग्यंता : इस परीक्षामें संगीत विशारद पूर्ण या तत्सम-तथा **विश्व विद्यालय का उपाधिधारक, विद्यार्थी उत्तीर्ण होने के एक वर्ष उपरांत** बैठ सकते हैं।

2) अध्यापन की परीक्षा में बैठनेवाले विद्यार्थी शिक्षक को विशारद तक के सभी रागोंकी जानकारी तथा ठेकों को बजाना आना आवश्यक है।

3) यह पाठ्यक्रम पूरा एक वर्ष का होगा। 75% उपस्थित आवश्यक होगी। शास्त्रीय ज्ञान, अध्यापन शास्त्र और बाल मनोविज्ञान इनमें 100 गुणों की दो प्रश्नपत्रिकाएँ होंगी।

4) पाठ्यक्रम : **प्रश्नपत्र प्रथम**

(1) शिक्षा और शिक्षा मनोविज्ञान के सिध्दान्त (2) बाल मानसशास्त्र (3) कला रसास्वाद (4) संगीत तज्ज्ञोंकी तथा कलाकारोंगी जीवनिया।

(1) शिक्षा के सिध्दांत : शिक्षा ध्येय, व्यक्तिवाद,समाजवाद, वैयक्तिक और कक्षा शिक्षण, श्रेष्ठ शिक्षक के गुण वंशानुगत संस्कार, राष्ट्रीय जीवन में शिक्षा का स्थान, हार्बर्ट स्पेन्सर और उसकी प्रणाली, प्रश्नोंत्तर शैली का प्रयत्न, म. गांधी की मूलद्योग शिक्षण प्रणाली, माँटेसरी शिक्षा प्रणाली।

नवविकसित विविध विकासशील अध्यापन पध्दति, प्रणाली के मूल सिध्दान्त के प्रकार, अन्वेषणात्मक और निगमनात्मक प्रणाली, अन्वेषणात्मक बहुमुखी प्रणाली।

(2) शिक्षा मनोविज्ञान : मनोविज्ञान और उसकी शाखाएँ, शिक्षा में संगीत शिक्षाका स्थान, मन और शक्तियाँ, मन और मस्तिष्क, शिशु के क्रमिक विकास की विभिन्न अवस्थाएँ, मूलभूत प्रवृत्तियों और जन्मजात प्रवृत्ति, सृजनात्मक चिकित्सा, जिज्ञासा, आत्मप्रकटीकरण, अनुकरण, उनकी शिक्षा में उपयोगिता, निर्विकल्प प्रत्यक्ष, सविकल्प प्रत्यक्ष अवलोकन, रुचि, प्रयत्न।

(3) कला रसास्वाद में कलाकार के गुण-दोष का और महफिल की टिपणी का समीक्षण आवश्यक है।

Scanned by CamScanner

प्रश्नपत्र द्वितीय

अध्यापन विधि : संगीत में स्वरज्ञान, तालज्ञान और शास्त्रीय ज्ञान सिखाने की विधि और साधन ,..... शुध्द तथा विकृत स्वरसमूह, अलंकार, तान, बोलतान इत्यादि का अध्यापन, विविध लयकारियों का शिक्षण, ताल में स्वतंत्र रूप से गाने की शिक्षा तथा विलंबित ख्याल गायन तथा स्वरों का शुध्द उच्चारण सिखाना, तानुपरा एवं तबला मिलाना सिखाना, चार्टो, चित्रों टेपरेकॉर्डर तथा अन्य शैक्षणिक साधनों का प्रयोग।

प्रयोगात्मक परिक्षा : अध्यापन कला के विद्यार्थियों को अलग – अलग स्तर के दो पाठ पढ़ाने होंगे। इन दो पाठों की पढ़ने की विधि परीक्षक की संमतिके अनुसार लेसन नोट लिखकर परीक्षक को दिखानी होगी।

(२) शालेय पाठ 25 और संगीत कक्षा के पाठ 20 इन पाठों की फाईल्स परीक्षा के समय परीक्षक को दिखानी होगी। संगीत शिक्षा के 10 पाठों का निरीक्षण (Observation) फाईल निरीक्षक को दिखाना होगा।

अध्यापन के परीक्षा में बैठनेवाले विद्यार्थियो को कमसे कम 25 पाठ लेगे होंगे। उन पाठों में से 25 पाठ सरकारद्वारा मान्यता प्राप्त प्राथमिक या माध्यमिक शाला संस्था में और 20 पाठ संगीत विद्यालय में मध्यमा पूर्ण तक लेने पड़ेंगे। संगीत संस्था के पाठ 'ए' ग्रेडेड संगीत संस्था में (कमसे कम दस वर्ष तक संगीत अलंकार तक शिक्षा देनेवाली संस्था) लेने होगे।

सरकारद्वारा मान्यता प्राप्त प्राथमिक या माध्यमिक शाला संस्था का संगीत पाठ लेने के लिए अनुमति पत्र लेना होगा और पाठ पूरे होने के बाद संस्था चालक का प्रमाणपत्र आवश्यक होगा। जिस संस्था में पाठ लिए है उस संस्था के प्रमुख से लिया हुआ प्रशस्तिपत्रक परीक्षा के समय दिखाना पड़ेगा। परीक्षार्थी को संगीत शिक्षा के 10 पाठ का निरीक्षण (Observation) करना पड़ेगा।

Scanned by CamScanner

(4) पाठों का निरीक्षण : शिक्षा विशारद के विद्यार्थियो के पाठों का निरीक्षण संगीत शिक्षा विशारद परीक्षा उतीर्ण हुए या लगातार 12 वर्ष तक संगीत शिक्षा का अनुभव हो ऐसे व्यक्ति ही करेंगे। संगीत शालेय पाठ में शालेय पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ लेने होगे। उसी में ईशस्तवन, स्वागतसंगीत, राष्ट्रगीत, ध्वजगीत, संचलन गीत, शालेय पाठ्यक्रम की पुस्तिकाओं में से मराठी, हिंदी, अंग्रजी कविताएँ और प्राथमिक संगीत के ज्ञान पर अभ्यासक्रम में दिये हुए रागों का ज्ञान।

(5) आदर्श लेसन नोट का ढाँचा साथ में अवलोकन के लिये दिया है।

(6) इस पाठ्यक्रम के लिए अनुमति दी गयी पुस्तके पृष्ठ 167, 168 पर दी गयी हैं

अंकपत्रिका :

क्रियात्मक पाठ : पाठ्यक्रमके अनुसार साल भरकी 45 पाठोंकी टिपणियाँ माध्यमिक शिक्षा संस्था में 25 संगीत शिक्षा संस्था में 20 : 100 अंक, दुय्यम शिक्षा संस्था में 1 पाठ : 40 अंक, संगीत विद्यालयमें 1 पाठ : 60 अंक, क्रियात्मक कुल : 200 अंक, लिखित : प्रश्नपत्र 2 : 100 अंक, प्रश्नपत्र 2 : 100 अंक, लिखित कुल : 200 अंक, सर्वयोग : 400 अंक।

Scanned by CamScanner